हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

वर्ष:4 अंक:223 पृष्ठ:8 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, सोमवार, 18 अगस्त 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 220 नए चिकित्सकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

पथ प्रवाह, देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्य सेवक सदन में आयोजित उत्तराखंड चिकित्सा स्वास्थ्य सशक्तिकरण अभियान कार्यक्रम के तहत 220 नव नियुक्त चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें सेवा, समर्पण और मधुर व्यवहार का मूल मंत्र दिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि यह दिन इन चिकित्सकों के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने उन्हें केवल डॉक्टर नहीं, बल्कि देवभूमि के आरोग्य प्रहरी बताते हुए प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था को सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए समर्पण से कार्य करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इस दौरान उत्तराखंड के प्रसिद्ध कवि गुमानी पंत की पंक्तियों प्रथम देह को जतन कर लो, फिर साधना होगी।

का उल्लेख करते हुए कहा कि चिकित्सकों का कर्तव्य है कि वे अपने ज्ञान और कौशल से लोगों के जीवन में स्वास्थ्य और आशा का संचार करें।

कैशलेस इलाज और टेलीमेडिसिन से मिल रहा लाभ

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि प्रदेश के 11 लाख से अधिक लोगों को अब तक 21 करोड़ रुपये से ज्यादा की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल चुका है। साथ ही श्रीनगर में कार्डियो और न्यूरोलॉजी, हल्द्वानी में कैंसर उपचार की विशेष सुविधाएं शुरू की गई हैं। आपात स्थिति में हेली सेवा के माध्यम से सुदूरवर्ती क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवा दी जा रही है – हाल ही की धराली आपदा में इसका उपयोग सफलतापूर्वक हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार टेलीमेडिसिन सेवा, आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती जैसे कदमों के जरिये स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सशक्त बना रही है। राज्य के हर जनपद में एक-एक मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना भी जारी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड आज हर क्षेत्र में प्रगति की ओर अग्रसर है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के विकास से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा।

स्वास्थ्य मंत्री बोले : जल्द और होगी भर्ती, 220 जगह होंगे रक्तदान शिविर

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग नियुक्तियों के क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि 220 नव नियुक्त चिकित्सकों में से 4 दिव्यांग कोटे के चिकित्सकों को छोड़कर शेष सभी को दूरस्थ क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग जल्द ही और चिकित्सकों, नर्सों और सहायक कर्मचारियों की भी भर्ती करेगा। इसके अलावा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से गांधी जयंती तक राज्य के 220 स्थानों पर रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे, जिससे 25 लाख से अधिक लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा- चिकित्सकों को बढ़ाना होगा विश्वास

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि जब दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सकों के साथ सपोर्टिंग स्टाफ की उपलब्धता होगी, तो स्वाभाविक रूप से डॉक्टर वहां सेवा देने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि आज भी लोग ईश्वर के बाद चिकित्सकों को सबसे अधिक सम्मान देते हैं, इसलिए चिकित्सकों को जनता के विश्वास को और मजबूत करने की दिशा में कार्य करना होगा।

कार्यक्रम में कई गणमान्य हुए शामिल

राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास, राजकुमार पोरी, सरिता कपूर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य स्तरीय उपाध्यक्ष सुरेश भट्ट, सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार, महानिदेशक स्वास्थ्य सुनीता टम्टा सहित बड़ी संख्या में चिकित्सा अधिकारी और विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

संविधान के झंडाबरदार ही देते रहे बाबा साहब की भावनाओं को दगा : मोदी

नयी दिल्ली 17 अगस्त (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस का नाम लिये बिना उस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि संविधान के झंडाबरदार बनने वाले कुछ लोगों ने किस तरह से संविधान को कुचला है उसे सुनकर लोग सन्न रह जायेंगे जबकि उनकी सरकार पिछली सरकारों की गलतियों को सुधारने में लगी है।

मोदी राजधानी में 11 हजार करोड़ रुपये की राष्ट्रीय महत्व की विभिन्न राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी के भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर संविधान की अवेहलना करने के आरोपों का उनका नाम लिये बिना करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और संविधान की बात करने वाले लोगों ने ही बाबा साहब की भावनाओं को दगा दिया। उन्होंने कहा, ये लोग जो सर पर संविधान रखकर नाचते हैं ना, वो संविधान को कैसे कुचलते थे, वे बाबा साहब की भावनाओं को कैसे दगा देते थे थे, मैं आज वो सच्चाई आपको बताने जा रहा हूं। मैं कहता हूं आप यह सुनकर सन्न रह जाएंगे। मोदी ने कहा कि दिल्ली में सफाईकर्मियों के लिए ऐसे कानून बना रखे थे कि यदि कोई सफाईकर्मी एक दिन काम पर नहीं आता था तो उसे एक महीने के लिए जेल में डाला जा सकता था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने इन कानूनों को समाप्त कर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा, मेरे सफाई कर्मी भाई बहन जो दिल्ली में काम करते हैं । उनके लिए एक खतरनाक कानून था इस देश में। दिल्ली नगर निगम अधिनियम में एक बात लिखी थी कि यदि कोई सफाई कर्मी मित्र बिना बताए एक दिन काम पर नहीं आता तो उसे एक महीने के लिए जेल में डाला जा सकता था। आप बताइए, खुद सोचिए कि सफाई कर्मियों को लोग क्या समझते थे। क्या आप उन्हें जेल में डाल देंगे वह भी एक छोटी सी गलती के कारण। आज जो सामाजिक न्याय की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, उन्होंने ऐसे कई नियम कानून देश में बने हुए रखे थे। यह मोदी है जो इस तरह के गलत कानून को खोज खोज कर के खत्म कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा पिछली सरकारों ने दिल्ली को गढ्ढे में गिरा दिया था। दिल्ली को उस गर्त से निकालने और विकास के धरातल पर आगे बढाने के कठिन काम को भाजपा सरकार पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली और आसपास के सभी राज्यों में भाजपा की सरकारें है और इसलिए एनसीआर का विकास करना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि कुछ दलों को भाजपा को मिल रहे जन विश्वास पर भरोसा नहीं है। उन्होंने यमुना के पानी में हरियाणा में जहर मिलाने के दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार के नेताओं के बयानों का भी उल्लेख किया। मोदी ने कहा कि जनता ही हमारी हाई कमान है, हम जनता के जीवन को बेहतर बनायें, यही हमारी नीति और संकल्प है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में युवाओं को पारदर्शिता से नौकरी दी जा रही है। दिल्ली में झुग्गी वालों को पक्के घर, गैस कनेक्शन और बिजली दी जा रही है। पिछले 11 साल में देश में रिकार्ड सड़कें , स्टेशनों के आधुनिकीकरण का काम और अन्य सुविधाओं का विस्तार किया गया है। हिंडन (गाजियाबाद) से विभिन्न शहरों को उड़ानें परिचालित की जा रही है। नोएडा एयरपोर्ट भी जल्दी ही शुरू हो रहा है।

सी.पी. राधाकृष्णन होंगे राजग के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार: नड्डा

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे।

इस आशय का फैसला रविवार शाम को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसदीय बोर्ड की बैठक में सर्वसम्मति लिया गया। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा बोर्ड के अन्य सदस्य मौजूद थे।

बैठक के बाद श्री नड्डा ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि श्री राधाकृष्णन को सर्व सम्मति से राजग का उम्मीदवार चुना गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में राजग में शामिल अन्य दलों से भी चर्चा हो गयी है और विपक्षी दलों से भी चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि उपराष्ट्रपति निर्विरोध चुने जाएं। उन्होंने सभी सांसदों से श्री राधाकृष्णन को समर्थन देने की अपील की।

राधाकृष्णन ने लगन, विनम्रता और बुद्धिमत्ता से विशिष्ट पहचान बनाई है :मोदी

नयी दिल्ली 17 अगस्त (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राजग के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन की सराहना करते हुए कहा है कि उन्होंने अपनी लगन, विनम्रता और बुद्धिमत्ता से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड की रविवार को हुई बैठक में श्री राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुने जाने के बाद श्री मोदी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि राजग परिवार ने उन्हें उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है।

मेयर किरण जैसल की तत्परता, नगर आयुक्त नंदन कुमार की संजीदगी के चलते जलभराव से जनता को राहत

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार मेयर किरण जैसल और नगर निगम प्रशासन की मुस्तैदी के चलते जलभराव का संकट टल गया। नगर निगम प्रशासन की टीम सुबह सबेरे करीब 5ः00 बजे से हरिद्वार में तेज बारिश के शुरू होते ही जलभराव की संभावनाओं को देखते हुए मौके पर पहुंच गई। नगर निगम प्रशासन की टीम ने जलनिकासी की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराया। जिसके चलते हरिद्वार के नागरिकों को जलभराव से राहत मिली।

विदित हो कि हरिद्वार नगर आयुक्त नंदन कुमार जनमानस की समस्याओं के प्रति बेहद संजीदा है। हरिद्वार नगर निगम क्षेत्र में मानसून के चलते संभावित जलभराव क्षेत्रों की पहचान करा ली गई। इनमें प्रमुख रूप से भगत सिंह चौक, संदेश नगर तथा पुराना आरटीओ चौक शामिल हैं। इन क्षेत्रों में पहले से ही पंप, सफाई दल और सक्षम मशीनें तैनात कराई हुई है। इसी के चलते बरसाती सीजन में नगर निगम की टीमें तुरंत सक्रिय हो गईं और जल निकासी का कार्य आरंभ कर दिया गया।

संवेदनशील क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई

बारिश के दौरान भगत सिंह चौक पर मुख्य सफाई निरीक्षक संजय शर्मा, संदेश नगर में निरीक्षक श्रीकांत, तथा पुराना आरटीओ चौक पर निरीक्षक मनोज कुमार स्वयं उपस्थित रहे। इन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में जलनिकासी कार्यों की निगरानी की और आवश्यकतानुसार पंपिंग व्यवस्था को क्रियाशील बनाए रखा। निगम की विशेष नाला गैंग ने भी बारिश के दौरान नालों की सफाई कार्य को जारी रखा, जिससे जलजमाव की स्थिति अधिक देर तक नहीं बनी। निगम की सक्षम मशीनें भी लगातार सक्रिय रहीं।

वरिष्ठ अधिकारियों का निरीक्षण

नगर निगम की महापौर किरण जैसल ने सुबह स्वयं फील्ड पर पहुंचकर संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया और कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया।

वहीं, नगर आयुक्त नंदन कुमार के निर्देशानुसार उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी ने विभिन्न स्थानों का दौरा कर जलनिकासी कार्यों का जायजा लिया और मौके पर मौजूद कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दीर्घकालिक समाधान की ओर कदम

नगर निगम ने बारिश के दौरान ही यह संकेत दिया कि वह केवल तात्कालिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहता। निगम की ओर से बताया गया कि शहर के जलभराव समाधान के लिए एक दीर्घकालिक योजना तैयार की जा रही है। इसमें प्रमुख क्षेत्रों की स्मार्ट ड्रेनेज मैपिंग, नालों का आधुनिकीकरण, तथा रैपिड रिस्पॉन्स टीम की तैनाती जैसे बिंदु शामिल हैं। विशेष रूप से भगत सिंह चौक जैसे स्थलों के लिए बनाई गई त्वरित प्रतिक्रिया टीम ने आज प्रभावी भूमिका निभाई।

पूर्व सफाई अभियान का मिला लाभ

नगर निगम ने इस वर्ष मानसून पूर्व तीन चरणों में नालों

शातिर दो पहिया वाहन चोर निकला मादक पदार्थो का तस्कर

दीपक चौहान

ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई स्कूटी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पूर्व में भी मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने उत्तराखंड पुलिस पोर्टल एप पर दर्ज शिकायत पर संजीदगी दिखाई थी। पीड़ित अमित कुमार की शिकायत पर तत्काल मुकदमा दर्ज किया। पीड़ित ने बताया था कि उसकी होंडा एक्टिवा स्कूटी (च-08-रु0903) को किसी अज्ञात चोर ने वी-मार्ट, न्यू हरिद्वार (निकट चन्द्राचार्य चौक) से चुरा लिया है। शिकायत के आधार पर थाना ज्वालापुर में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक पंकज गैरोला के निर्देश पर गठित टीम ने मामले की गंभीरता से जांच करते हुए 16 अगस्त को रेगुलेटर पुल नहर पटरी के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को स्कूटी के साथ रोका। जब स्कूटी के कागजात की जांच की गई, तो वह चोरी की निकली। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसकी पहचान मेहरबान पुत्र अली हसन, निवासी ग्राम सराय, कोतवाली ज्वालापुर के रूप में हुई है। आरोपी की उम्र 36 वर्ष है। पूछताछ में उसने चोरी की बात कबूल की। पुलिस रिकॉर्ड में यह भी सामने आया कि मेहरबान पूर्व में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में जेल जा चुका है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में अब धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की है। उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

बरामदगीः होंडा एक्टिवा स्कूटी (K-08-L-0903)

पुलिस टीम में शामिल अधिकारीः

1. उप-निरीक्षक गम्भीर तोमर, 2. कांस्टेबल 514 मनोज डोभाल, 3. कांस्टेबल 09 रोहित बरोडिया

जिलाधिकारी सविन बंसल की संवेदनशीलता से एक बेटी के भविष्य में रोशनी की किरण

नवीन चौहान

जिलाधिकारी सविन बंसल की संवेदनशीलता और कार्यशैली से एक बेटी के भविष्य में सुनहरे कल की चमक दिखाई दे रही है। जिलाधिकारी ने असहाय मां की बेटी की शिक्षा को पुनर्जीवित किया। संवेदनशीलता का यह कोई पहला मामला नही है। इससे पूर्व भी जिलाधिकारी सविन बंसल गरीबों की मदद करने व पीड़ितों को न्याय दिलाने में आगे आए है। ऐसा ही कुछ एकल माता रजनी देवी की बेटी शिवानी की शिक्षा को पुनर्जीवन करने के मामले में देखने को मिला है। रजनी देवी, जो किराए के मकान में रहकर प्राइवेट नौकरी से दो बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं, ने अपनी बेटी शिवानी की पढ़ाई जारी रखने के लिए जिलाधिकारी सविन बंसल से गुहार लगाई। बिटिया कक्षा 12वीं में अध्ययनरत है, और आर्थिक स्थिति के कारण फीस भरना असंभव हो गया था।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए श्री गुरु राम राय एजुकेशन मिशन से शैक्षणिक सत्र 2024-25 की फीस में रियायत का अनुरोध किया। मिशन द्वारा पिछले सत्र की 50त्न फीस माफ कर दी गई।

कर्तव्य, संघर्ष और कलम के धनी : राज्य सूचना आयुक्त योगेश भट्ट

पथ प्रवाह, देहरादून

कर्तव्य, संघर्ष और कलम के धनी उत्तराखंड के राज्य सूचना आयुक्त योगेश भट्ट ने सूचना के अधिकार अधिनियम की विश्वसनीयता को कायम किया है। प्रशासनिक अधिकारियों की जनता के प्रति जवाबदेही को सुनिश्चित किया है। सरकारी विभागों में पारदर्शिता से कार्य करने की नजीर पेश की है। आरटीआई पर जनता का भरोसा कायम किया। पत्रकारिता के पेश से राज्य सूचना आयुक्त की कुर्सी तक ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश की है।

राज्य सूचना आयुक्त योगेश भटट का जन्मदिन आज प्रदेशभर में सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पत्रकारिता, प्रशासन और सामाजिक क्षेत्र के लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्यों को प्रेरणादायक बताया। योगेश भट्ट ने अपने अब तक के कार्यकाल में न सिर्फ एक जिम्मेदार प्रशासक के रूप में पहचान बनाई, बल्कि उत्तराखंड आंदोलन के दौरान एक सच्चे जननेता और पत्रकारिता में आदर्श स्थापित करने वाले व्यक्तित्व के रूप में भी सामने आए।

आयोग में सटीक सुनवाई, सच्चाई की खोज में अडिग

राज्य सूचना आयोग में मामलों की नियमित सुनवाई सुनिश्चित कर सूचना आयुक्त योगेश भट्ट ने जनविश्वास को नई मजबूती दी। हर केस की तह तक जाकर सच्चाई सामने लाने का प्रयास किया और अपीलीय अधिकारियों की लापरवाही पर दंडात्मक कार्रवाई ने उनके कर्तव्यनिष्ठ रवैये को प्रमाणित किया। सूचना के अधिकार को सशक्त माध्यम मानते हुए उन्होंने पारदर्शिता को प्रशासन की पहली शर्त बताया। आयोग के प्रति जनता की आस्था को बनाए रखना उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में माना जा रहा है।

उत्तराखंड आंदोलन में दिखाई नेतृत्व क्षमता

योगेश भट्ट की राजनीतिक और सामा?जिक चेतना की शुरुआत उत्तराखंड राज्य आंदोलन से हुई। उन्होंने न सिर्फ युवाओं को आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया, बल्कि स्वयं मोर्चा संभालकर प्रदेश हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहे। उनकी नेतृत्व क्षमता और दूरदृष्टि ने उत्तराखंड निर्माण के उस ऐतिहासिक कालखंड में एक अहम भूमिका निभाई, जिसे आज भी याद किया जाता है।

पत्रकारिता में आदर्श और अनुशासन का परिचय

पत्रकारिता में योगेश भट्ट का योगदान उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए आंदोलन किए और सशक्त संगठनात्मक भूमिका निभाई। अपनी निर्भीक लेखनी के जरिए प्रदेश में फैले भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार किया। उनकी लेखनी हमेशा जनहित के पक्ष में रही और उन्होंने कलम को समाज सुधार का औजार बनाया।

युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत

आज उत्तराखंड के युवा पत्रकारों के लिए योगेश भट्ट किसी पाठशाला से कम नहीं हैं। उनके अनुभव, ईमानदारी और निडरता से नई पीढ़ी को दिशा मिल रही है। कलम को धार देने का उनका तरीका और पत्रकारिता में अनुशासन का पालन, उन्हें एक आदर्श व्यक्तित्व के रूप में स्थापित करता है।

शुभकामनाओं का तांता

योगेश भट्ट के जन्मदिन के अवसर पर राज्यभर से उन्हें शुभकामनाएं मिल रही हैं। पत्रकार संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और आंदोलनकारियों ने उनके स्वस्थ, दीर्घायु और सक्रिय जीवन की कामना की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की केबिनेट का ऐतिहासिक निर्णय, उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान विधेयक की मंजूरी

नवीन चौहान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने शिक्षा और अल्पसंख्यक अधिकारों के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ÷उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान विधेयक, 2025÷ को आगामी विधानसभा सत्र में पेश करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में रविवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस विधेयक को मंजूरी दी गई।

इस विधेयक के लागू होने से अब केवल मुस्लिम समुदाय ही नहीं, बल्कि सिख, जैन, ईसाई, बौद्ध और पारसी समुदायों द्वारा स्थापित शैक्षिक संस्थानों को भी ÷अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान÷ का दर्जा मिल सकेगा।

नया प्राधिकरण होगा गठित

विधेयक के तहत राज्य में उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया जाएगा, जो इन संस्थानों को मान्यता प्रदान करेगा। किसी भी संस्थान को अल्पसंख्यक दर्जा पाने के लिए इस प्राधिकरण से अनुमोदन लेना अनिवार्य होगा। प्राधिकरण शिक्षा की गुणवत्ता, पारदर्शिता और सामाजिक सद्भाव पर भी निगरानी रखेगा।

गुरुमुखी और पाली भाषा की पढ़ाई को बढ़ावा

मान्यता प्राप्त संस्थानों में छात्रों को गुरुमुखी और पाली जैसी भाषाएं पढ़ने का विकल्प मिलेगा, जिससे भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बल मिलेगा।

मान्यता के लिए शर्तें

संस्थान का पंजीकरण सोसाइटी एक्ट, ट्रस्ट एक्ट या कंपनी एक्ट के तहत होना चाहिए। भूमि, बैंक खाता और अन्य संपत्तियां संस्था के नाम पर अनिवार्य। सभी शिक्षण गतिविधियां उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा बोर्ड के मानकों के अनुरूप होंगी। मूल्यांकन प्रक्रिया निष्पक्ष व पारदर्शी होगी।

मान्यता रद्द करने के प्रावधान

अगर किसी संस्थान में वित्तीय अनियमितता, पारदर्शिता की कमी या सामाजिक सौहार्द के विरुद्ध गतिविधियां पाई जाती हैं, तो प्राधिकरण उसकी मान्यता रद्द कर सकेगा।

पुराने कानून होंगे रद्द

सरकार ने यह भी घोषणा की कि विधेयक के लागू होने के बाद 1 जुलाई 2026 से निम्न कानून निरस्त कर दिए जाएंगे

उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2016

उत्तराखंड गैर-सरकारी अरबी और फारसी मदरसा मान्यता नियम, 2019

सरकार का दावाः राज्य सरकार का कहना है कि यह देश का पहला ऐसा विधेयक है, जो सभी अल्पसंख्यक समुदायों के शैक्षिक संस्थानों को मान्यता देने की एकीकृत, पारदर्शी और संगठित व्यवस्था स्थापित करेगा। इससे न केवल अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा होगी, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और प्रशासनिक पारदर्शिता भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

विशेषज्ञों की रायः शिक्षा विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस विधेयक को समावेशी शिक्षा व्यवस्था की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया है। उनका मानना है कि यह निर्णय सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की अपेक्षा के अनुरूप अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हो रहे सरकारी अस्पताल

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अपेक्षाओं के अनुरूप सरकारी अस्पतालों को निजी अस्पतालों से बेहतर बनाने की कवायद जिलाधिकारी सविन बंसल ने शुरू कर दी है। जिला चिकित्सालयों में अत्याधुनिक मशीनों को लगाया जा रहा है। जिसके चलते मरीजों को निजी अस्पतालों की तरफ झांकना नही पड़ेगा। सरकारी अस्पतालों में बेहतर इलाज मरीजों को उपलब्ध कराया जायेगा। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित ऋषिपर्णा सभागार में राजकीय जिला चिकित्सालय (कोरोनेशन) की त्रैमासिक चिकित्सा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अपेक्षा के अनुरूप सरकारी अस्पतालों को निजी चिकित्सालयों के समकक्ष सुविधाओं से युक्त किया जाए, ताकि आमजन को महंगे निजी उपचार की आवश्यकता न पड़े।

चिकित्सालय को मिली महत्वपूर्ण स्वीकृतियाँ

जिलाधिकारी सविन बंसल ने एसएनसीयू (स्ह्ष्ट) के लिए 6 अतिरिक्त बेड, एक्स-रे मशीन, फोटोथेरेपी उपकरण, डिफिब्रिलेटर, जनरेटर, मैनपावर और सुरक्षा हेतु भूतपूर्व सैनिक गार्ड की तत्काल स्वीकृति प्रदान की।

इसके अतिरिक्त ऑटोमेटेड पार्किंग, महिला हिलांस कैंटीन, और ब्लड बैंक जैसी व्यवस्थाओं को भी विस्तार देने का निर्णय लिया गया, जिससे डॉक्टर, स्टाफ और आमजन में उत्साह का माहौल रहा।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने चिकित्सालय की पुरानी टीनशेड पार्किंग को हटाकर नई ऑटोमेटेड पार्किंग विकसित करने हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

ब्लड बैंक कार्य युद्धस्तर पर पूर्ण करने के निर्देश

डीएम सविन बंसल ने ब्लड बैंक निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कर निरीक्षण करने की बात कही और कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पूर्व बैठक में प्रस्तावित सामग्रियों की क्रय प्रक्रिया पूर्ण की जा चुकी है, जिनमें एक्स-रे, सीटी स्कैन मशीन, व्हीलचेयर, ड्रेसिंग ड्रम, एडल्ट सेक्शन मशीन, यूनिफॉर्म, एसी आदि शामिल हैं।

राज्य का पहला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र – गांधी शताब्दी चिकित्सालय में

बैठक में राज्य के पहले अत्याधुनिक दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (ष्ठष्ठक्रष्ट) की स्थापना पर भी चर्चा हुई। डीएम सविन बंसल ने मुख्य विकास अधिकारी को निरीक्षण के निर्देश देते हुए कहा कि यह केंद्र दिव्यांगजनों को प्रमाण पत्र, फिजियोथेरेपी, कृत्रिम अंग, परामर्श और स्वरोजगार प्रशिक्षण एक ही स्थान पर उपलब्ध कराएगा। केंद्र में विशेषज्ञों की मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम के माध्यम से समग्र पुनर्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। केंद्र के माध्यम से दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड, छात्रवृत्ति, पेंशन जैसी योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा, और उनके लिए विशेष शिक्षा व प्रशिक्षण की सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, एसडीएम हरिगिरि, सीएमएस डॉ. मन्नु जैन, डॉ. जेपी नौटियाल, डॉ. शालिनी डिमरी, डॉ. नीतू तोमर, मुख्य कोषाधिकारी नीतू भंडारी, प्रमोद कुमार, राजीव सब्बरवाल, इंदू शर्मा, सुशीला पंवार, राजेश, आरती सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत का आह्वानः हिमालय संरक्षित तो जल, जंगल और जीवन सुरक्षित

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत पर्यावरण संरक्षण और वनाग्नि जैसी गंभीर समस्याओं पर आधारित लघु फिल्म 'हिमालय की हृदय विदारक पुकार' को देखकर बेहद भावुक हो गए। उन्होंने ?कहा कि हिमालय संरक्षित रहेगा तो जल, जंगल और जीवन सुरक्षित रहेगा। उन्होंने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह फिल्म केवल दृश्य नहीं, बल्कि चेतावनी है – हिमालय संकट में है, और यदि हिमालय नहीं बचा तो जीवन भी नहीं बचेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हिमालय केवल भूगोल नहीं, हमारी जीवन रेखा है।

हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत नई दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि वह पर्यावरण प्रेमी है। पौंधे लगाना उनका पसंदीदा कार्य है। उन्होंने कहा कि आज हिमालय को बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि वन अग्नि जैसी आपदाओं से लड़ने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं, बल्कि जनभागीदारी और व्यापक जनजागरण ही सबसे प्रभावी समाधान हैं। श्री रावत ने उपस्थित सभी हिमालय प्रेमियों से आह्वान किया कि वे प्रकृति की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएँ और हिमालय के संरक्षण को जन आंदोलन बनाएं।

सांसद रावत ने इस सार्थक पहल के लिए थ्री मस्किटर्स मीडिया और महावीर राधा जांगड़ा को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की फिल्में जनमानस को झकझोरने और पर्यावरणीय चेतना जगाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

सामूहिक प्रयास ही समाधान

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न वक्ताओं ने भी हिमालय के पारिस्थितिकीय संतुलन, पर्यावरणीय संवेदनशीलता, और वनाग्नि की रोकथाम जैसे विषयों पर विचार रखे।

उपस्थित विशिष्टजन कार्यक्रम में नमामि गंगे अभियान से जुड़े पर्यावरणविद् डॉ. भरत पाठक, डॉ. अपर्णा सोपोरी, शिक्षाविद डॉ. ऋचा सूद, अंतरराष्ट्रीय एथलीट पद्मश्री कमलिनी अस्थाना एवं पद्मश्री नलिनी अस्थाना (विश्व प्रसिद्ध कथक नृत्यांगनाएं) सहित बड़ी संख्या में हिमालय प्रेमी, पर्यावरण कार्यकर्ता और छात्र उपस्थित रहे।

एसएसपी देहरादून ने पुलिस कर्मियों संग श्रद्धा व उल्लास से मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

परिवार संग की मंदिर में पूजा-अर्चना, पुलिस परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की

पथ प्रवाह, संवाददाता

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून द्वारा पुलिस लाइन स्थित मंदिर परिसर में सपरिवार पहुँचकर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान उन्होंने पुलिस परिवार के साथ मिलकर पर्व की खुशी साझा की और समस्त पुलिस बल की सुख, शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। एसएसपी देहरादून ने इस अवसर पर समस्त पुलिस परिवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा सभी पुलिस कर्मियों को समाज में शांति, प्रेम और सौहार्द बनाए रखने के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

पूजा-अर्चना उपरांत भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के शुभ क्षण पर सामूहिक आरती का आयोजन हुआ, जिसके बाद सभी उपस्थित जनों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों ने भी श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना में भाग लिया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश, संयुक्त निदेशक विधि देहरादून सहित समस्त राजपत्रित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से सबक सीखा कांग्रेस ने

जन यात्रा, पदयात्रा, पंपलेट तथा स्थानीय मीडिया का महत्व

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों की गुलामी से आज़ादी का संघर्ष नहीं था। कांग्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में जनता से संवाद करने और जनजागरण का भी आंदोलन चलाया था। उस दौर में अंग्रेजों के प्रभाव में मीडिया पूरी तरह नियंत्रित था। सारा भारत रियासतों से जुड़ा हुआ था। ऐसी स्थिति में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन चलाना संभव ही नहीं था। अंग्रेजी अखबारों की पहुँच आम जनता से दूर थी। सूचनाओं का प्रवाह सत्ता के हिसाब से तय होता था। ऐसी स्थिति में कांग्रेस और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने जनता तक पहुँचने का नया रास्ता चुना। प्रादेशिक स्तर का संगठन तैयार किया। स्वतंत्रता आंदोलन के लिए पदयात्राएँ, जन यात्राएँ, छोटे-छोटे पर्चे और स्थानीय भाषाओं में छापे गए समाचार पत्र ही उस समय संवाद का सशक्त माध्यम बना। जिसने स्वतंत्रता आंदोलन की अलख सभी रियासतों और अंग्रेजी शासन काल के हर हिस्से तक पहुंचने का काम कांग्रेस के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने किया। कांग्रेस के इन्हीं प्रयासों से आज़ादी का संदेश गाँव-गाँव, गली-गली पहुँचा, आंदोलन को व्यापक जनाधार मिला। सभी वर्गों के लोग इस आंदोलन में शामिल हुए, जो अंग्रेजों की किसी न किसी प्रताड़ना से व्यथित थे। आज, स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद, परिदृश्य एक बार फिर बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। राष्ट्रीय मीडिया पर वर्तमान सरकार का वर्चस्व इतना बढ़ गया है। सारा मीडिया सरकार के गुणगान में लगा हुआ है। मीडिया में जनता को स्थान नहीं मिल रहा है। मीडिया ने अपनी सवाल करने की भूमिका भी खत्म कर दी है। मीडिया से विपक्ष नदारद है। जो वर्तमान मीडिया है, उसे गोदी मीडिया कहा जाने लगा है। बड़े-बड़े टीवी चैनल और अखबार सरकार की भाषा बोल रहे हैं। आम जनता के असली मुद्दे–महंगाई, बेरोज़गारी, किसान और श्रमिक की पीड़ा–मुख्यधारा के मीडिया से ग़ायब हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कांग्रेस स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि व अपने पूर्वजों से सबक लेकर एक बार फिर स्वतंत्रता आंदोलन के तौर तरीके को अपनाती हुई दिख रही है। राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो पदयात्रा से राहुल गांधी और कांग्रेस का जनता से सीधा संवाद कायम हुआ। यह संवाद न केवल भाषाई विविधता के बीच लोगों तक पहुँचा, बल्कि वर्तमान मीडिया के नियंत्रण के दौर में एक वैकल्पिक मीडिया का राजनीतिक मॉडल भी बन गया। जिस तरह से स्वतंत्रता संग्राम के समय पर्चों और छोटे अखबारों ने अंग्रेजों के खिलाफ आम जनता को आंदोलित किया। अंग्रेजों के प्रति आम लोगों को जो भय था उसे खत्म करने का काम किया। संवाद के नए-नए माध्यम आंदोलनकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने तैयार किये। जिसका प्रभाव आम जनता पर पड़ा और स्वतंत्रता आंदोलन दिन प्रतिदिन तेज होता चला गया। जिसके कारण ताकतवर अंग्रेजों को भारत छोड़कर वापस जाना पड़ा। उसी तरह के प्रयास एक बार फिर कांग्रेस ने सोशल मीडिया, स्वतंत्र यूट्यूब चैनल और जन यात्राएँ, रैली से किया है। ये सभी सरकारी प्रचार एवं गोदी मीडिया को चुनौती दे रही हैं। दरअसल यह प्रयास जनता तक सीधी पहुँच बनाने सबसे प्रभावी तरीका है। राहुल गांधी अब जनता की लड़ाई को लड़ रहे हैं। खुद से जनता को जोड़ रहे हैं। आंदोलन विपक्षी राजनीति के लिए ऑक्सीजन की तरह है। यही कारण है कि कांग्रेस अब रैलियों, जन सभाओं और सोशल मीडिया अभियानों को अपना प्रमुख हथियार बना रही है। जब मीडिया सरकार का पक्षधर बन चुका हो, तब यही रणनीति कांग्रेस और विपक्ष के लिए उसे पुनर्जीवित करने का सबसे कारगर तरीका है। कांग्रेस और राहुल गांधी की यह रणनीति न केवल भाजपा और सरकार के लिए चुनौती है, बल्कि गोदी मीडिया के लिए भी एक चुनौती है। लोकतंत्र के लिए एक उम्मीद की किरण है।

आपदा में राहत देने के बजाए जब कुर्सी हिलाने पहुंच गए कई सांसद !

गोपाल नारसन

उत्तरकाशी आपदा से जूझ रहे उत्तराखंड में जब मलबे में दबे लोगो की जिंदगी तलाशने की जंग जारी थी,उसी समय देवभूमि के कुछ सांसद कुर्सी की चाहत में प्रधानमंत्री से मिलने पहुंच गए।यूं तो कई बार विपक्ष के बजाए सत्ता पक्ष के ही कुछ लोगो ने मौजूदा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अनेक मामलों में शिकायत कर उन्हें सत्ता से बेदखल करने का असफल प्रयास किया है,लेकिन इस बार तो हद ही हो गई राज्य प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा था।भारतीय सेना ,एनडीआरएफ के जवानों व प्रदेश के मुखिया ने प्रलय स्थल पर जाकर मलबे में दबे लोगो को निकालकर उनमे जिंदगी खोजने का काम किया है तो करीब एक हजार लोगों को रेस्क्यू कर उनकी जान भी बचाई है।

उत्तराखंड में आई इस भयावह प्राकृतिक आपदा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे सांसदों को प्रधानमंत्री ने साफ और सख्त संदेश दिया है कि यह समय एकजुट होकर उत्तराखंड को बचाने का है। दिल्ली में उनसे मिलने पहुंचे सांसदों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा, उत्तराखंड में संकट की घड़ी है। आप सभी तत्काल धराली और हर्षिल जैसे प्रभावित क्षेत्रों में जाएं और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सहयोग करें।÷प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार उत्तराखंड की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। राज्य को हर आवश्यक सुविधा और सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी खुद मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही वे लगातार प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। मोदी ने सांसदों से अपेक्षा जताई कि सिर्फ बैठकें या औपचारिकता नहीं, अब ज़मीनी स्तर पर मदद की ज़रूरत है। प्रधानमंत्री के इस निर्देश से उन राजनीतिक लोगो को कड़ा संदेश गया है जो इस आपदा की घड़ी में केवल राजनीति करने तक सीमित बने हुए है।ऐसे राजनेता ओ को उन्होंने साफ कहा कि जनता के बीच जाकर राहत व पुनर्वास कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।प्रधानमंत्री की इस सख्ती को लेकर राजनीतिक हलकों में इन दिनों चर्चा तेज है ।वही

उत्तराखंड धराली आपदा रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है।उत्तराखंड सरकार ने आपदा पीड़ितों के लिए सहायता राशि का ऐलान किया।धराली आपदा में जीवन खोने वाले लोगों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए का मुआवजा दिया जायेगा।जिन लोगों ने अपने मकान गंवाए हैं, उन्हें भी 5-5 लाख रुपए की त्वरित सहायता राशि दी जाएगी। इसके साथ ही पंजाब नेशनल बैंक ने आपदा प्रभावितों के लिए 1 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की है। इस विनाशकारी आपदा ने कई जिंदगियां को छीन लिया है, वहीं लापता लोगों की तलाश में रेस्क्यू टीमें जुटी हुई हैं। सेना और आईटीबीपी के साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस रेस्क्यू कार्य में दिन रात मेहनत कर रही है।भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स के 125 जवान, घातक टीम के 10 जवान, स्पेशल फोर्स के 30 जवान और बीईजी रुड़की के 250 जवान मलबे व कीचड़ के बीच लोगों को खोज रहे हैं।इसके अलावा सेना के 75 जवान और 7 खोजी कुत्ते मलबे में दबे लोगों का पता लगाने में जुटे हैं। इतना ही नहीं आईटीबीपी के 113 जवान पैदल मार्गों से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर राहत कार्य कर रहे हैं।

भीषण प्राकृतिक आपदा के कारण प्रभावित क्षेत्र में ठप्प हुई बिजली आपूर्ति को बहाल कर दिया गया है। लगातार भारी वर्षा, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से बिजली के पोल, तार, ट्रांसफार्मर और उपसंस्थानों को गंभीर क्षति पहुंची है।सौर ऊर्जा तथा माइक्रो हाइड्रो ग्रिड से निरंतर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की जा रही है।

राजभवन में मुख्यमंत्री धामी ने राज्यपाल से मुलाकात कर धराली और हर्षिल में चल रहे आपदा राहत कार्यों एवं प्रभावित लोगों के पुनर्वास के संबंध में उन्हें जानकारी दी।धराली में एसडीआरएफ की टीमें मलबे में दबे ध्वस्त भवनों में लगातार सर्चिंग कर रही है। लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए आधुनिक उपकरणों और डॉग स्क्वाड की सहायता ली जा रही है. ड्रोन के माध्यम से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर स्थितियों पर नजर रखी जा रही है।उत्तराखंड के

स्वास्थ्य सचिव आर राजेश कुमार ने बताया कि भर्ती 15 मरीज़ों में से चार को छुट्टी दे दी गई है।

राहुल का वोट चोरी का मुद्दा लूट ले गये अखिलेश

बी.पी. गौतम

कांग्रेस और विपक्ष एसआईआर के मुद्दे को लेकर लगातार हमलावर है, जिससे मॉनसून सत्र में अपेक्षा के अनुरूप कार्य नहीं हो पा रहा है, वहीं विपक्ष के तमाम प्रमुख सांसद उच्चतम न्यायालय में गये हैं, जहां वे तर्क नहीं दे पाये। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया को मतदाताओं के अनुकूल माना है, फिर भी विपक्ष का सवाल बरकरार है। सोमवार को संसद के बाहर विपक्ष के द्वारा सड़क पर सत्ता पक्ष और चुनाव आयोग पर हमला बोला गया लेकिन, इस प्रदर्शन का पूरा श्रेय अखिलेश यादव के नाम पर दर्ज हो गया, उनकी छलांग देशभर में छाई रही, इसी मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग एसआईआर के द्वारा बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना चाहता है, वे दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। बिहार में एसआईआर को लेकर संसद में गतिरोध बना हुआ है। 21 जुलाई को संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने के बाद से दोनों सदनों में लगातार व्यवधान और नाम मात्र का विधायी कार्य हुआ है, दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को छोड़कर 21 जुलाई को मॉनसून सत्र शुरू होने के बाद से संसद में बहुत कम काम हुआ है। बार-बार कार्यवाही स्थगित की जा रही है, इसी मुद्दे को लेकर विपक्षी सांसदों ने सोमवार को संसद भवन से चुनाव आयोग मुख्यालय तक विरोध मार्च निकाला, इस दौरान प्रदर्शनकारी विपक्षी सांसदों को रोकने के लिये परिवहन भवन पर पुलिस बैरिकेड्स लगा दिये, जहाँ उन्हें चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर आगे बढ़ने से रोक दिया गया। पुलिस का तर्क था कि विपक्षी सांसदों ने मार्च निकालने के लिये कोई अनुमति नहीं ली है। पुलिस द्वारा रोके जाने पर अखिलेश यादव, महुआ मोइत्रा सहित कई सांसदों ने बैरिकेड्स पर चढ़ने का प्रयास किया, इस दौरान अखिलेश यादव का एक्शन देशभर में चर्चा का विषय बन गया और राहुल गांधी पर ही भारी पड़ गया। पूरे प्रदर्शन का श्रेय अखिलेश यादव के नाम चला गया। अखिलेश के अलावा कई सांसद बैरिकेड्स कूदकर बीच सड़क पर धरने पर बैठ गये। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे सांसदों को समझाने का प्रयास किया लेकिन, सांसदों ने सड़क से हटने से मना किया तो, राहुल, प्रियंका और अखिलेश सहित तमाम नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हालांकि, बाद में उन्हें छोड़ दिया गया, इस दौरान विपक्षी सांसद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और वोट चोरी के आरोपों के विरोध में नारे लगाते देखे गये।

चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश को पत्र लिखकर दोपहर 12.30 बजे मिलने के लिये बुलाया था, साथ ही चुनाव आयोग ने उनसे 30 सांसदों के साथ आने को कहा था और आने से पहले उन सांसदों की सूचना देने को भी कहा था, इसको लेकर पुलिस ने प्रदर्शनकारी सांसदों से कहा कि 30 लोग चुनाव आयोग के मुख्यालय तक जा सकते हैं, इसके लिये पैदल या, वाहन जैसे विकल्प चुन सकते हैं लेकिन, विपक्ष इसके लिये तैयार नहीं हुआ, साथ ही मार्च निकालने के लिये अनुमति नहीं ली गई थी। नई दिल्ली के संयुक्त पुलिस आयुक्त दीपक पुरोहित ने कहा कि हिरासत में लिये गये विपक्षी सांसदों को पास के एक पुलिस स्टेशन ले जाया गया है। हम अभी भी हिरासत में लिये गये सांसदों की संख्या गिन रहे हैं, यहां विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी लेकिन, हमें सूचना मिल गई थी। अगर, वे तय करते हैं तो, हम उन्हें चुनाव आयोग कार्यालय तक पहुंचा देंगे।

क्या आरएसएस के मुखिया मन की बात कहते हैं?

राम पुनियानी

आगामी 2 अक्टूबर 2025 से आरएसएस का शताब्दी वर्ष शुरू होगा। इसे मनाने के लिए संघ ने कई कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई है। इनमें से एक है तीन व्याख्यानों की एक श्रृंखला जो 26, 27 और 28 अगस्त को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित है। इसके बाद तीन-दिन की इस श्रृंखला का आयोजन मुंबई, बेंगलुरू और कोलकाता में होगा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दिल्ली के विज्ञान भवन में सन् 2018 में तीन व्याख्यान दिए थे। इस बार अंतर यह है कि यह आयोजन देश के चार प्रमुख नगरों में किया जा रहा है। तीसरे व्याख्यान में प्रश्नोत्तर सत्र भी होगा और इनमें ऐसे बहुत से लोगों को आमंत्रित किया गया है जो संघ परिवार से संबद्ध नहीं हैं। आमंत्रित जन 12 वर्गों के हैं। इनमें विदेशी दूतावासों के अधिकारी, बुद्धिजीवी और अन्य राजनैतिक दलों के नेता शामिल हैं। विदेशी दूतावासों के कर्मियों में पाकिस्तान, बांग्लादेश और तुर्कियें के दूतावासों के कर्मी शामिल नहीं हैं। जहां तक राजनैतिक दलों का सवाल है, गैर-भाजपा दलों के उन नेताओं के विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है जो मोदी सरकार के सुर में सुर मिला रहे हैं। यह शुरूआती प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। अन्य कार्यक्रमों में हिंदुओं का सम्मेलन आदि शामिल हैं। हमे याद है कि भागवत द्वारा विज्ञान भवन में 2018 में दिए गए व्याख्यानों को कितनी महत्ता दी गई थी। उन्हें सुनकर कई नादान राजनैतिक समीक्षकों को यह लगने लगा था कि आरएसएस बदल रहा है। आरएसएस के अंदरूनी मामलों की जानकारी रखने वाले और उससे जुड़े एक सज्जन की टिप्पणी थी कि आरएसएस ग्लासनोस्त की प्रक्रिया से गुजर रहा है। मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ। उसके बाद का घटनाक्रम आरएसएस के एजेंडे के मुताबिक विघटनकारी कृत्यों ही भरा रहा। भागवत ने हिन्दू-मुस्लिम रिश्तों को बेहतर करने की वकालत करते हुए कहा था कि एक व्यक्ति सच्चा हिंदू नहीं हो सकता यदि वह कहता है कि मुसलमानों को भारत में नहीं रहना चाहिए। मॉब लिचिंग में शामिल लोग हिन्दुत्व विरोधी हैं''। क्या इसके बाद मुसलमानों की लिंचिंग की घटनाएं रूक गईं? नहीं! वे पहले की तरह जारी रहीं। सन 2020 में उत्तर प्रदेश में शाहरुख़ सैफी और हरयाणा में लुकमान की लिंचिंग हुई। इसके अलावा मुसलमानों के घरों और दुकानों को तोड़ने के लिए बुलडोज़रों का इस्तेमाल हुआ। ज्यादातर मुस्लिम विरोधी गतिविधियां बदस्तूर जारी रहीं क्योंकि उनके खिलाफ किया जाने वाला प्रोपेगेंडा संघ परिवार का मुख्य हथियार है। जब देश में कोविड-19 फैला तो इस त्रासदी का उपयोग भी मुसलमानों का और अधिक दानवीकरण करने के लिए किया गया और महामारी का ठीकरा दिल्ली में चल रहे तबलीगी जमात सम्मेलन पर फोड़ने की कोशिश की गई। कोरोना जेहाद, कोरोना बम जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाने लगा और इसके साथ ही फेरी लगाकर सामान बेचने वाले मुसलमानों का हिन्दू बस्तियों में बहिष्कार किया गया। भागवत ने कहा था कि वह हिन्दू, हिन्दू नहीं है जो यह कहता है मुसलमानों को भारत में नहीं रहना चाहिए। सीएए, जिसने मुसलमानों को छोड़कर सभी के लिए भारत की नागरिकता हासिल करने का पिछला दरवाजा खोल दिया, के बाद राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर करने की भारी भरकम और कष्टदायी प्रक्रिया प्रारंभ की गई। निडर मुस्लिम पुरूषों और महिलाओं ने इसके विरोध में शाहीन बाग आंदोलन शुरू किया। यह दुःखद है कि भाजपा के कपिल मिश्रा जैसे लोगों ने इसका विरोध किया, और इन लोगों ने खुलेआम धमकी दी कि यदि पुलिस ने इन्हें धरना स्थल से नहीं हटाया, तो वे यह काम करेंगे। इसके बाद दिल्ली में हुई हिंसा में 51 निर्दोष लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा, जिनमें से दो तिहाई मुसलमान थे। एक तरह से भागवत के नेतृत्व में संघ परिवार मुसलमानों के प्रति नफरत बढ़ाने वाले हर कदम का समर्थन कर रहा है। आखिर 2018 के व्याख्यान का लक्ष्य क्या था? यह साफ है कि वह न तो पेरोस्त्रोईका था और ना ही यह कयास सही था कि आरएसएस में बदलाव आ रहा है। सीधी सी बात यह है कि आरएसएस हिन्दू राष्ट्रवाद की राह पर चल रहा है। वह भले ही सैद्धांतिक तौर पर एम। एस। गोलवलकर के 'हिन्दू राष्ट्र के लिए तीन आंतरिक खतरों - मुसलमान, ईसाई और कम्युनिस्ट - वाले नजरिए को त्यागने की बात कह रहा हो, लेकिन हकीकत में वह उसी के अनुरूप काम कर रहा है। मुस्लिम समुदाय पिछले कई दशकों से भयभीत है और उसे हाशिए पर पटक दिए जाने का एहसास हो रहा है। यहां तक कि बुलंद आवाज में आरएसएस में बदलाव आने का दावा करने वाले सुधीन्द्र कुलकर्णी को भी मुसलमानों की दुर्दशा नजर आ रही थी। उन्होंने लिखा, ''साम्प्रदायिक दंगों में मुसलमानों की हजारों करोड़ की संपत्ति नष्ट हो रही है इसके बावजूद इन मामलों में ठीक से एफआईआर तक दर्ज नहीं होती। इसके अलावा हिंसा, लूटपाट और दुष्कर्मों के ज्यादातर दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती। इसके विपरीत, विरोध के अपने संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करने वाले मुसलमानों को सख्त दंड भुगतना पड़ता है, पुलिस की गोलीबारी में जान गवांनी पड़ती है, बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जाता है और सार्वजनिक संपत्ति की हानि की कीमत जुर्माने के रूप में चुकानी पड़ती है। कहां है इंसाफ?

जहां तक ईसाईयों की बात है, उन्हें ज्यादा नजर में न आने वाली हिंसा का सतत सामना करना पड़ता है क्योंकि यह कम तीव्र होती है और विभिन्न इलाकों में बिखरी हुई होती है। यह भी अत्यंत तेज गति से बढ़ रही है खासकर पिछले एक दशक के दौरान। एक बड़े ईसाई पंथ के प्रताड़ित नेता ने 2023 में कहा था, हर दिन गिरजाघरों और पॉस्टरों पर हमलों की चार या पांच घटनाएं होती हैं और हर रविवार को ये दोगुनी होकर दस के करीब हो जाती हैं - हमने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। उनके अनुसार भारत में ईसाईयों को प्रताड़ित करने में प्रमुख भूमिका हिंदू उग्रपंथियों के संगठन संघ परिवार की है जिसमें प्रभावशाली अर्ध-सैन्य और रणनीतिक समूह आरएसएस, प्रमुख राजनैतिक दल भाजपा और हिंसक युवा संगठन बजरंग दल शामिल हैं।

दिल्ली में निवेश के नाम पर रिटायर्ड फौजी से 2.99 करोड़ की ठगी, पथरी पुलिस ने चार राज्यों के आरोपियों पर दर्ज किया मुकदमा

नवीन चौहान

दिल्ली में कमर्शियल प्रॉपर्टी में निवेश के नाम पर उत्तराखंड के एक रिटायर्ड फौजी से करीब 2.99 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पथरी थाना पुलिस ने चार राज्यों से जुड़े पांच आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेना से रिटायर, पतंजलि में कर चुके हैं सेवा

शिकायतकर्ता मनवीर सिंह, देवेंद्र विहार कॉलोनी, गुमानीवाला (ऋषिकेश) निवासी हैं। वह भारतीय सेना से रिटायर होने के बाद मार्च 2020 तक पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार में सेवा दे चुके हैं। कार्यकाल के दौरान उनका आना-जाना पतंजलि फूड पार्क पदार्था, पथरी में होता रहता था।

दिल्ली की सात मंजिला इमारत में निवेश का झांसा

साल 2020 में मनवीर सिंह की मुलाकात अरुण राणा, कैलाश चंद वर्मा (महाराष्ट्र), रावेकिया हुदेवन (गुजरात), विजय दीक्षित (दिल्ली) और बालमुकुंद प्रसादी पासवान से हुई। इन लोगों ने उन्हें दिल्ली के गौतम

नगर स्थित एक सात मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग दिखाई और कहा कि यह प्रॉपर्टी 26 करोड़ रुपये की है। निवेश करने पर अच्छा मुनाफा मिलने का दावा किया गया।

किस्तों में दी मोटी रकम, न प्रॉपर्टी मिली न पैसे लौटे

मनवीर सिंह झांसे में आकर पहले एक लाख रुपये का बयाना दिए और फिर किश्तों में कुल मिलाकर करीब 2.99 करोड़ रुपये नकद और ऑनलाइन माध्यम से आरोपियों को दे दिए। लेकिन न तो उन्हें कोई संपत्ति सौंपी गई और न ही पैसे वापस किए गए। उल्टा, आरोपियों ने धमकियां देना शुरू कर दिया और फर्जी एग्रीमेंट और रसीदें तैयार कीं।

मृत घोषित कर खुद को बचाने की कोशिश

शिकायत में यह भी आरोप है कि कैलाश चंद वर्मा के परिजनों ने फोन पर झूठ बोला कि उनका निधन हो चुका है, ताकि जांच और कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं था।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जांच शुरू

थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल ने बताया कि मनवीर सिंह की तहरीर के आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने धारा 420, 406, 467, 468, 471, 506 समेत अन्य प्रभावी धाराओं में केस दर्ज किया है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

जल्द हो सकती हैं गिरफ्तारियां

पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपियों की लोकेशन के आधार पर दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और अन्य राज्यों में टीमें भेजी जा सकती हैं। साथ ही, साइबर सेल की मदद से लेनदेन की जांच भी की जा रही है।

हरिद्वार पुलिस की सूझबूझ और तेजी ने बिखरते परिवार को टूटने से बचाया, आत्महत्या की कोशिश कर रही महिला और बच्चियों को सुरक्षित किया रेस्क्यू

पथ प्रवाह, संवाददाता

हरिद्वार की कोतवाली नगर पुलिस ने एक बार फिर मानवीय संवेदनशीलता और तत्परता का उदाहरण पेश किया है। देर रात आत्महत्या की धमकी देने वाली महिला और उसकी दो मासूम बच्चियों को समय रहते रेस्क्यू कर न सिर्फ उनकी जान बचाई, बल्कि एक टूटते हुए परिवार को फिर से जोड़ने का काम किया।

घटना का विवरण

दिनांक 17 अगस्त की रात करीब 12:30 बजे, कोतवाली नगर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला, जो अपने पति से विवाद के चलते देहरादून से हरिद्वार आ गई थी, हरकी पैड़ी के पास आत्महत्या करने की धमकी दे रही है। महिला अपनी दो बच्चियों के साथ थी और उसने अपने पति को फोन कर आत्मघाती कदम उठाने की बात कही थी।

छह टीमों में बंटी पुलिस, रेस्क्यू मिशन शुरू

सूचना मिलते ही कोतवाली नगर

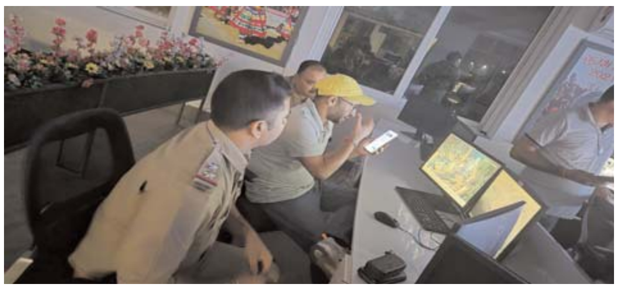

पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने तत्काल 06 टीमों का गठन किया, जिनमें से 04 टीमों को मौके पर तलाशी के लिए भेजा गया और 02 टीमें सीसीटीवी कंट्रोल रूम में निगरानी का काम संभालने में लगाई गईं। पुलिस टीमों ने पूरे क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया।

लगातार प्रयास के बाद अपर रोड से घाट की ओर जाती हुई महिला और उसकी बच्चियों को पुलिस ने खोज निकाला और उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया।

मानवीय पहल – काउंसलिंग के जरिए परिवार को मिलाया

रेस्क्यू के उपरांत महिला व उसके पति को चौकी हरकी पैड़ी पर उचित काउंसलिंग कराई गई। पुलिस ने दोनों को समझाया-बुझाया और आपसी बातचीत के बाद महिला व बच्चियों को उनके पति के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस ने दिया संदेश कोई मतभेद हों तो आपस में बैठकर सुलझाएँ, या पुलिस की मदद लें

हरिद्वार पुलिस की इस कार्रवाई ने न केवल तीन जिंदगियों को एक बड़ी त्रासदी से बचाया, बल्कि समाज को यह भी संदेश दिया कि किसी भी मानसिक दबाव या पारिवारिक तनाव की स्थिति में तुरंत मदद लेना जरूरी है। आपसी विवादों को आत्मघाती कदम उठाने की ओर न ले जाएँ – पुलिस आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए हृष्ट उम्मीदवार बने सी. पी. राधाकृष्णन- हरिद्वार सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने दी बधाई

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) ने आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए महाराष्ट्र के वर्तमान राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सी. पी. राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इस घोषणा के बाद देशभर से उन्हें शुभकामनाएँ और समर्थन प्राप्त हो रहा है। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार से लोकसभा सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने भी श्री राधाकृष्णन को इस अहम जिम्मेदारी के लिए नामित किए जाने पर हृदय से बधाई दी है और उनके उज्ज्वल, यशस्वी एवं सफल कार्यकाल की कामना की है। श्री रावत ने कहा कि सी. पी. राधाकृष्णन जी का जीवन एक प्रेरणा है। सार्वजनिक जीवन में उनका लंबा अनुभव, निष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा के प्रति उनका समर्पण उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को नई ऊँचाइयाँ देगा। उनका व्यक्तित्व

सदैव सौम्यता, अनुशासन और दूरदर्शिता से परिपूर्ण रहा है, जो इस सर्वोच्च संवैधानिक पद की मर्यादा को और अधिक सुदृढ़ करेगा। उन्होंने आगे कहा कि श्री राधाकृष्णन जैसे अनुभवी और संवेदनशील नेता का राष्ट्रीय राजनीति के उच्चतम स्तर पर पहुँचना न केवल NDA के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र के लिए भी शुभ संकेत है। उनकी नेतृत्व क्षमता, संगठन कौशल और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता भारत को नयी दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगी, श्री रावत ने कहा। सी. पी. राधाकृष्णन भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता हैं, जो लंबे समय से संगठन के विभिन्न स्तरों पर कार्य करते रहे हैं। उन्होंने दक्षिण भारत में पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। उनकी साफ-सुथरी छवि, स्पष्ट दृष्टिकोण और मजबूत नैतिक मूल्य उन्हें जनप्रिय बनाते हैं। श्री रावत ने इस अवसर पर आशा व्यक्त की कि श्री राधाकृष्णन का अनुभव, कार्यशैली और राष्ट्रहित में उनके अब तक के योगदान उन्हें इस नए दायित्व को पूरी निष्ठा और कुशलता से निभाने में सक्षम बनाएंगे।

अंत में त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा, मैं राधाकृष्णन जी को पुनः हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि वे इस उच्च संवैधानिक पद पर रहते हुए राष्ट्रसेवा की अपनी परंपरा को और भी अधिक प्रभावी रूप से आगे बढ़ाएँ।

श्रीनगर से भराड़ीसैंण सड़क मार्ग से पहुँचीं विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी, कहा - जनता से जुड़े रहना मेरी प्राथमिकता

पथ प्रवाह, संवाददाता

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूड़ी भूषण आज श्रीनगर होते हुए सड़क मार्ग से भराड़ीसैंण, गैरसैंण के लिए रवाना हुईं। यात्रा के दौरान वह कुछ समय के लिए श्रीनगर स्थित गढ़वाल मंडल विकास निगम (तरुद्वह) के अतिथि गृह में रुकीं, जहाँ उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और संगठनात्मक गतिविधियों एवं क्षेत्रीय विकास से जुड़े विषयों पर संवाद किया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने स्थानीय मुद्दों, विकास योजनाओं और जनसुविधाओं को लेकर चर्चा की, जिस पर अध्यक्ष ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार जनभावनाओं के अनुरूप काम कर रही है और सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

हवाई सेवा नहीं, सड़क मार्ग से यात्रा क्यों?

मीडिया से मुखातिब होते हुए जब उनसे यह पूछा गया कि उन्होंने खराब सड़कों और उपलब्ध हेलीसेवा के बावजूद सड़क मार्ग से गैरसैंण की यात्रा क्यों चुनी, तो श्रीमती खण्डूड़ी ने स्पष्ट रूप से कहा

गैरसैंण जाने का मेरा अनुभव हमेशा सड़क मार्ग से ही रहा है। यह रास्ता मुझे आमजन से सीधे जुड़ने का अवसर देता है। यात्रा के दौरान मुझे लोगों से मिलने, उनकी बात सुनने और उनके हालात समझने का मौका मिलता है। मैं मानती हूँ कि एक जनप्रतिनिधि के लिए जनता की नब्ज़ को समझना सबसे ज़रूरी है।

गैरसैंण सत्र को बताया उत्तराखंड की अस्मिता का प्रतीक

विधानसभा अध्यक्ष ने भराड़ीसैंण में आयोजित मानसून सत्र को उत्तराखंड की अस्मिता से जोड़ते हुए

कहा कि यह सत्र सिर्फ एक संवैधानिक कार्य नहीं, बल्कि उत्तराखंड के जनआंदोलन की भावना और पहचान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सड़क मार्ग से वहाँ पहुँचना उन्हें न केवल ज़मीनी सच्चाइयों से रूबरू कराता है, बल्कि जनता से सीधे जुड़ने की उनकी भावना को भी मज़बूत करता है।

जनता से संवाद को दी सर्वोच्च प्राथमिकता

श्रीमती खण्डूड़ी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता से संवाद और जुड़ाव ही सच्चे नेतृत्व की पहचान है। "मैं सदैव प्रयास करती हूँ कि जनता के बीच रहकर उनके विचार जान सकूँ और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतर सकूँ।

हरिद्वार में सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराग रावत का सार्थक ट्रस्ट ने किया सम्मान

पथ प्रवाह, संवाददाता

हरिद्वार के कनखल क्षेत्र में स्थित वी केयर डायग्नोस्टिक सेंटर में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराग रावत का सार्थक ट्रस्ट द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट पदाधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर और सम्मान-पटका पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी, चिकित्सक, पत्रकार और कॉलेज के पूर्व छात्र उपस्थित रहे। ट्रस्ट की ओर से इस सम्मान कार्यक्रम का उद्देश्य डॉ. रावत द्वारा हरिद्वार एवं आस-पास के क्षेत्रों में हृदय रोगियों को दी जा रही उत्कृष्ट चिकित्सीय सेवाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना था।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में सार्थक ट्रस्ट के महामंत्री और पूर्व

राज्य मंत्री अरविंद शर्मा एडवोकेट, श्री गंगा सभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ, प्रेस क्लब हरिद्वार के पूर्व अध्यक्ष आदेश त्यागी, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रमोद शर्मा, एसएमजेएन पीजी कॉलेज के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. संजय माहेश्वरी, डॉ. शिवकुमार चौहान, पत्रकार मेहताब आलम, दिव्यांश शर्मा और यश शर्मा शामिल रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अनुराग रावत ने अपने अनुभव और सेवा भावना से आम लोगों को निःस्वार्थ भाव से उन्नत चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब हृदय संबंधी गंभीर रोगों के उपचार के लिए बड़े महानगरों की ओर देखने की ज़रूरत नहीं रही।

राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित होने से गंगोत्री मार्ग ठप, धराली क्षेत्र में गैस सिलेंडर व आवश्यक आपूर्ति पहुंचाना प्रशासन के लिए चुनौती

विकट हालात में भी राहत कार्य जारी, नदी के रास्ते गैस सिलेंडर पहुंचाए गए प्रभावित गांवों तक

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

धराली/उत्तरकाशी। जनपद के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन और राहत दल निरंतर जुटे हुए हैं। विकट परिस्थितियों, लगातार हो रही बारिश और दुर्गम भौगोलिक हालात के बीच भी राहत कार्य रुक नहीं रहे। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के नेतृत्व में जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है कि प्रभावित परिवारों तक खाद्यान्न, घरेलू गैस सिलेंडर और आवश्यक वस्तुएं समय पर पहुंचाई जा सकें। रविवार को जिला प्रशासन ने अनोखा प्रयोग कर भागीरथी नदी में राफ्ट उतारकर गैस सिलेंडरों और जरूरी सामान को नदी के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचाया। वहां से इन सामग्रियों को प्रभावित गांवों तक रवाना किया गया। इस पहल से बड़ी संख्या में ग्रामीणों को राहत मिली। साथ ही धराली और अन्य सीमांत गांवों में खाद्यान्न वितरण भी किया गया। धराली आपदा से गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सोंनगाड़ और डबरानी के पास बंद पड़ा हुआ है। इसे खोलने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। प्रभावित क्षेत्रों में रसद और अन्य सामग्रियों की आपूर्ति के लिए प्रशासन द्वारा हैली सेवा का उपयोग पहले से किया जा रहा था, जो आगे भी जारी रहेगा। लेकिन आज सड़क मार्ग से ट्रांशिप के माध्यम से राहत सामग्रियां भेजने का प्रयास सफल रहा।

कठिन हालात में गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को बहाल करना किसी युद्ध के मैदान में जंग जीतने जैसा साबित हो रहा है। प्रशासन के इन प्रयासों से प्रभावित ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल रही है और उम्मीद जगी है कि जल्द ही हालात सामान्य होंगे।

लगातार बारिश और आपदा से जूझ रहा हर्षिल-धराली क्षेत्र, जिलाधिकारी ने डबरानी पहुंचकर मार्ग बहाली कार्यों का लिया जायजा

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। 5 अगस्त 2025 को हर्षिल-धराली क्षेत्र में आई प्राकृतिक आपदा ने जनजीवन को गहराई से प्रभावित किया है। आपदा के बाद शासन-प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटा हुआ है। लगातार बारिश और विकट परिस्थितियों के बीच प्रशासन खाद्यान्न, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयासरत है। रविवार को जिलाधिकारी प्रशांत आर्य स्वयं डबरानी पहुंचे और गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्से का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बीआरओ और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जरूरी संसाधनों का उपयोग कर मार्ग को जल्द से जल्द बहाल किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भू-धंसाव वाले स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जाए, ताकि आने-जाने वाले यात्रियों और स्थानीय लोगों को असुविधा न हो। गौरतलब है कि क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत और मार्ग को यातायात योग्य बनाने के लिए प्रशासन दिन-रात कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में राहत और पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। जिलाधिकारी द्वारा गंगोत्री मार्ग के कई हिस्सों का निरीक्षण कर एजेंसियों को तत्काल समाधान निकालने के निर्देश दिए गए हैं। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के क्षतिग्रस्त होने से धराली, हर्षिल छोड़कर आसपास के कई गांवों में खाद्यान्न, चिकित्सा सुविधा और गैस सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। ऐसी स्थिति में शासन-प्रशासन आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने और जनजीवन को सामान्य करने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है।

श्री निरंजनी रामलीला समिति मायापुर की बैठक आयोजित, रामलीला 2025 की तैयारियों को लेकर हुआ विस्तार से मंथन

हरिद्वार, 17 अगस्त - श्री निरंजनी रामलीला समिति मायापुर (रजि.) की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन एक स्थानीय होटल में किया गया। बैठक का शुभारंभ हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से हुआ, जिससे आयोजन का वातावरण धार्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो गया। इस बैठक की अध्यक्षता पार्षद दीपक शर्मा ने की, जबकि संचालन समिति के सचिव भोला शर्मा द्वारा किया गया।

बैठक में आगामी पंचम वर्ष 2025 के रामलीला मंचन, भव्य रामबारात और दशहरा महोत्सव को लेकर विशेष उत्साह के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। समिति के सचिव भोला शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष आयोजन को और अधिक भव्य व भक्ति भावना से परिपूर्ण बनाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि रामलीला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है।

बैठक के दौरान समिति के नवनियुक्त पदाधिकारियों का भी गर्मजोशी से स्वागत किया गया। सभी सदस्यों ने एकमत से निर्णय लिया कि आयोजन को जनसहभागिता के साथ सफल बनाने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस वर्ष की रामलीला में आधुनिक तकनीकों के साथ पारंपरिक शैली का समावेश कर प्रस्तुतियों को अधिक प्रभावशाली बनाया जाएगा।

बैठक में अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से राजू मनोचा, चंद्र शेखर कुर्ल, कमल बृजवासी, दीपक शर्मा, अखिलेश चौहान, जॉनी अरोड़ा, शंकर पांडे, अतुल जुनेजा, अंकित तिवारी, रजत चौहान, सचिन बेदी, सनी घावरी, अमित गर्ग, सुरेंद्र सैनी, पिंका चंचल, लक्ष्य शर्मा, अमित बोरी, समीर शर्मा, शिवम भारद्वाज, मुन्ना पिशोरी, इंद्रजीत बेदी, कृष्णा, शुभम पांडे, मयंक ठाकुर, पंकज, सुमित नाथ आदि सम्मिलित रहे।

बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि इस वर्ष की रामलीला को सांस्कृतिक समृद्धि और धार्मिक आस्था का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत किया जाएगा।

हरिद्वार पुलिस लाइन रोशनाबाद में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने अन्य पुलिस अधिकारियों व पुलिस परिजनों संग की विधिवत पूजा-अर्चना

रात्रि 12:00 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ मंदिर परिसर भजनों और आरती से गूंज उठा

पथ प्रवाह, संवाददाता

पुलिस लाइन रोशनाबाद में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व इस वर्ष भी बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने अन्य पुलिस अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों के परिवारजनों के साथ मिलकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत मंदिर परिसर को गोकुल धाम की भांति आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रात्रि ठीक 12:00 बजे श्रीकृष्ण के जन्म के उपलक्ष्य में आरती एवं भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिससे संपूर्ण परिसर भक्ति भाव से गूंज उठा। इस पावन क्षण पर सभी उपस्थित लोगों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के दर्शन किए और आरती के पश्चात प्रसाद ग्रहण किया।

उपस्थित पुलिस अधिकारी, जवान व उनके परिजनों ने श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान रहने का संकल्प भी लिया।

सोनाली पार्क में 'फेक फाइट' की रील बनाना पड़ा महँगा, हरिद्वार पुलिस ने 4 यूट्यूबर्स को लिया हिरासत में

पथ प्रवाह, संवाददाता

हरिद्वार जिले के रुड़की क्षेत्र में सोशल मीडिया पर वायरल होने के चक्कर में 'फर्जी मारपीट' का नाटक करना चार युवकों को महँगा पड़ गया। कोतवाली रुड़की पुलिस ने शनिवार को सोनाली पार्क में एक 'फेक फाइट' (नकली झगड़े) की रील बनाते हुए चार यूट्यूबर्स को हिरासत में लिया, जबकि एक किशोर को परिजनों के सुपुर्द किया गया।

112 कंट्रोल रूम से मिली सूचना, पुलिस पहुँची मौके पर

पुलिस को यह सूचना 112 कंट्रोल रूम के माध्यम से प्राप्त हुई कि सोनाली पार्क में कुछ युवक आपस में झगड़ रहे हैं और स्थिति तनावपूर्ण लग रही है। सूचना मिलते ही

कोतवाली रुड़की से पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुँचा।

मौके पर पहुँचने पर पाया गया कि कुल 5 युवक मिलकर मारपीट का ड्रामा कर रहे थे, जिसे वे कैमरे में रिकॉर्ड कर 'रील' के रूप में सोशल मीडिया पर अपलोड करने की तैयारी कर रहे थे। यह दृश्य देखकर राहगीरों को लगा कि असली झगड़ा हो रहा है, जिससे आम लोगों में भय और असुरक्षा की भावना फैल गई थी, साथ ही पार्क और आसपास के सार्वजनिक मार्ग पर आवागमन भी बाधित हो रहा था।

पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई, युवकों पर पुलिस एक्ट के तहत चालान

कोतवाली रुड़की पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके से चार युवकों को हिरासत में ले लिया, जबकि एक किशोर होने के कारण उसे उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया। चारों युवकों के विरुद्ध धारा 81 पुलिस अधिनियम के अंतर्गत चालान किया गया है।

हिरासत में लिए गए युवकों के नाम-पते इस प्रकार हैं

1. सुमित, पुत्र राधेश्याम, निवासी ढ्ढत्र्द्ध कॉलोनी, रुड़की
2. सफदर, पुत्र गफ्फार, निवासी इमली रोड, कोतवाली रुड़की, हरिद्वार
3. अर्जुन, पुत्र ताराचंद, निवासी चाव मंडी, कोतवाली गंगनहर, हरिद्वार
4. शरद, पुत्र शंकर, निवासी चंद्रपुरी, कोतवाली गंगनहर, हरिद्वार
5. (किशोर यूट्यूबर) – जिसे चेतावनी के साथ परिजनों को सुपुर्द किया गया।

पुलिस की अपील- जिम्मेदारी से करें सोशल मीडिया का उपयोग

हरिद्वार पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता पाने की होड़ में कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे सार्वजनिक शांति भंग हो, लोगों में डर उत्पन्न हो, या क़ानून व्यवस्था प्रभावित हो।

मोदी को विश्वास, राज्य सरकारें जीएसटी सुधार के प्रारूप को शीघ्र मंजूर करेंगी

नयी दिल्ली। प्रधानंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विश्वास जताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में अगले चरण के सुधारों के लिये केंद्र द्वारा भेजे गये प्रारुप को राज्यों का समर्थन शीघ्र मिल जायेगा और देश को जीएसटी सुधार का डबल बोनस मिलेगा।

श्री मोदी ने देश में सुधारों को आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराते हुये कहा. 'हमारे लिए सुधार का मतलब सुशासन और सुविधा है।'

प्रधानमंत्री राजधानी में 11,000 हजार करोड़ रुपये की राष्ट्रीय महत्व की विभिन्न राजमार्ग परियोजनाओं का रिमोट कंट्रोल के जरिए उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'इस दिवाली से जीएसटी सुधार के तहत डबल बोनस मिलने जा रहा है। इसका प्रारुप सभी राज्यों को भेज दिया गया है। हमें उम्मीद है कि राज्य सरकार इसमें सहयोग कर इसे स्वीकार करेंगी। इससे जनता और कारोबार को लाभ होगा।÷

श्री मोदी ने इस अवसर पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नाम लिए बगैर संविधान की किताब दिखाने के लिए उनकी आलोचना की । उन्होंने कहा कि आज जो संविधान की किताब सर पर रख कर नाचते हैं, वे किस तरह बाबा साहेब के संविधान को दगा दे रहे थे इसका उदाहरण दिल्ली के म्युनिसिपल कानून में ऐसी व्यवस्था थी जिसमें प्रावधान था कि यदि कोई सफाईकर्मी बिना बताये काम पर नहीं आया तो उन्हें एक माह के लिए जेल में डाल दिया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा , 'यह मोदी सरकार है जो ऐसे कानूनों को खोज कर खत्म कर रही है।' उन्होंने कहा कि दिल्ली और आस पास के राज्यों में आज भाजपा की सरकारें हैं लेकिन कुछ लोगों को भाजपा के लिए जनता का आशीर्वाद पच नहीं रहा है। श्री मोदी ने कहा, 'जनता के आशीर्वाद के बाद हमारी जिम्मेदारी है कि हम दिल्ली और एनसीआर का विकास करें, यहां के लोगों के लिए सुविधाएं विकसित करें ।÷

उन्होंने जनता से फिर स्वदेशी अपनाने और देश को मजबूत बनाने में योगदान करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत क्या सोच रहा है, उसके सपने और संकल्प क्या है, यह सब कुछ पूरी दुनिया अनुभव कर रही है। दुनिया की पहली नजर हमारी राजधानी पर पड़ती है। इसलिए दिल्ली को विकास का एक ऐसा माडल बनाना हैं ताकि सभी को लगे कि यह विकसित हो रहे देश की राजधानी है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के कार्यकाल में दिल्ली एनसीआर में सम्पर्क सुविधाओं का विस्तार हुआ है। दुनिया के सबसे बड़े मेट्रो रेल नेटवकों में एक नेटवर्क एनसीआर में है। रिजनल रेल मार्ग बन गया है। हम निरंतर इस दिशा में काम कर रहे हैं। पेरिफरल रोड के बाद अर्बन एक्सटेंशन रोड 2 के बनने से दिल्ली की सुविधा बढ़ी है। इसके निर्माण में दिल्ली में कूड़े के पहाड़ का वैज्ञानिक विधि से इस्तेमाल किया गया है। इससे कूड़े के पहाड़ों के पास की आबादी को राहत मिल रही है। उन्होंने दिल्ली के विकास के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के काम की सराहना की और उनके अल्पकाल कार्यकाल में ही यमुना से 16 लाख टन गाद निकालने के काम का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे सरकार के क्लीन दिल्ली ,ग्रीन दिल्ली अभियान को बल मिला है।

प्रधानमंत्री ने कहा पिछली सरकारों ने दिल्ली को गढ्ढे में गिरा दिया था। दिल्ली को उस गर्त से निकालने और विकास के धरातल पर आगे बढाने के कठिन काम को भाजपा सरकार पूरा करेगी । उन्होंने कहा कि दिल्ली और आसपास के सभी राज्यों में भाजपा की सरकारें है और इसलिए एनसीआर का विकास करना हमारा दायित्व है।

उन्होंने कहा कि कुछ दलों को भाजपा को मिल रहे जन विश्वास पर भरोसा नहीं है। उन्होंने यमुना के पानी में हरियाणा में जहर मिलने के पिछली आप सरकार के नेताओं के बयान का भी उल्लेख किया।

श्री मोदी ने कहा कि जनता ही हमारी हाई कमान है, हम जनता के जीवन को बेहतर बनायें, यही हमारी नीति और संकल्प है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में युवाओं को पारदर्शिता से नौकरी दी जा रही है। दिल्ली में झुग्गी वालों को पक्के घर, गैस कनेक्शन और बिजली दी जा रही है। पिछले 11 साल में देश में रिकार्ड सड़कें , स्टेशनों के आधुनिकीकरण का काम और अन्य सुविधाओं का विस्तार किया गया है। हिंडन (गाजियाबाद) से विभिन्न शहरों को उड़ानें परिचालित की जा रही है। नोएडा एयरपोर्ट भी जल्दी ही शुरू हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के समय में दिल्ली में योजनाएं तो बहुत बनी लेकिन काम नहीं किया गया । जनता ने भाजपा को मौका दिया तो काम शुरू हुआ और अब हर क्षेत्र में काम हो रहा है। द्वारका एक्सप्रेस वे जैसी परियोजनाए शुरू हुयी हैं और उनकी सरकार ने अवसंरचना विकास का बजट बढ़ा दिया है।

प्रधानमंत्री ने आज जिन परियोजनाओं का लोकार्पण किया उनमें द्वारका एक्सप्रेसवे का दिल्ली खंड और शहरी विस्तार मार्ग-2 भी शामिल है।

इस अवसर पर केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, राज्य मंत्री अजय टमटा और हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के उप राज्यपाल वी के सक्सेना,मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, दिल्ली सरकार के मंत्रीगण, सांसद तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री गडकरी ने कहा कि श्री मोदी ने 2014 में हमारे सामने विश्वस्तरीय अवसंरचना सुविधाओं का विकास करने का दायित्व सौंपा था। उस समय दिल्ली की स्थिति ठीक नहीं थी। हमने दिल्ली को जाम से मुक्त कराने के लिए पहले चरण में 65000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को शुरू किया । आज 48000 करोड़ रुपये का काम पूरा हो चुका है।

उन्होंने कहा कि आज जिन परियोजनाओं को अनेक अड़चन पार कर विकास किया गया है ,वह विश्वस्तरीय है। इसके लिए उन्होंने दिल्ली और हरियाणा सरकारों के सहयोग के लिए सराहना की। श्री गडकरी ने इन परियोजनाओं के निष्पादन में एनएचएआई के इंजीनियरों और अधिकारियों के काम की सराहना की।

राजमार्ग मंत्री ने कहा, ' हमें लॉजिस्टिक्स लागत 16 प्रतिशत से नीचे लाने का प्रधानमंत्री ने लक्ष्य दिया था। ताजा अध्यक्षन में कहा गया है कि सड़क परियोजनाओं के विकास से इसमें छह प्रतिशत की कमी आयी है। श्री गड़करी ने इसे एकल अंक में लाने का प्रधानमंत्री से वायदा किया और कहा कि इससे देश के निर्यात को और प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने दिल्ली को जाम और प्रदूषण से मुक्त करने में अपने विभाग के पूरे सहयोग का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इन परियोजनाओं को दिल्ली के लिए प्रधानमंत्री की सौगात बताया। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री सैनी ने आधारभूत सुविधाओं का देश में विस्तार करने के प्रधानमंत्री के अथक प्रयासों का जिक्र करते हुए उनका स्वागत करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं के शुरू होने से पूरे एनसीआर में सम्पर्क सुविधाओं का विस्तार होने जा रहा है।

उन्होंने स्वदेशी के प्रधानमंत्री के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से हरिणाया के निर्यात और आयात को बढ़ावा मिलेगा।

सूची में हेराफेरी का आरोप लगाने वाले सात दिन में सबूत दें, नहीं तो देश से माफी मांगे: चुनाव आयोग

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों की मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर कथित गड़बड़ी के आरोपों को लेकर शपथ पत्र के साथ सात दिन के अंदर सबूत पेश करने, अन्यथा देश से माफी मांगने के लिए कहा है।

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को यहां विशेष रूप से आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, कोई किसी सूची में डेढ़ लाख मतदाताओं के नाम फर्जी होने का आरोप लगा दे, तो क्या आयोग बिना हलफनामे उनको नोटिस जारी कर देगा और उन्हें उप मंडलीय अधिकारी

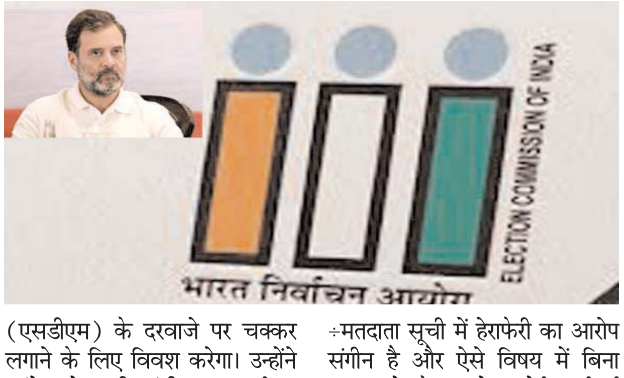

(एसडीएम) के दरवाजे पर चक्कर लगाने के लिए विवश करेगा। उन्होंने कांग्रेस नेता श्री गांधी द्वारा कर्नाटक और महाराष्ट्र की सूचियों में गड़बड़ी के लगाये गये आरोपों को लेकर पूछे गये सवालों का जवाब देते हुए कहा, ÷मतदाता सूची में हेराफेरी का आरोप संगीन है और ऐसे विषय में बिना हलफनामे के आयोग कोई कार्रवाई नहीं कर सकता है। चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ़ विवेक जोशी की उपस्थिति में श्री कुमार ने श्री गांधी के आरोपों पर कहा, ÷सात दिन में हलफनामा दें, नहीं तो देश से माफी मांगे। अन्यथा यही माना जाएगा कि ये आरोप निराधार हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार 18 वर्ष की आयु के भारतीय नागरिक को ही वोट देने का अधिकार है तथा मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने के लिए स्पष्ट नियम निर्धारित किये गये हैं, जिनका कोई उल्लंघन नहीं कर सकता है। कुमार ने कहा कि कुछ लोग चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रख कर मतदाताओं को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग मतदाताओं के अधिकार की रक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़ा है।उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल चुनाव आयोग के पंजीकरण के साथ बनते हैं। आयोग न तो किसी के पक्ष में हो सकता है और न विपक्ष में। आयोग के लिए सभी समकक्ष हैं। उन्होंने महाराष्ट्र की मतदाता सूची के बारे विपक्ष के आरोपों को लेकर कहा कि वहां पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव से पहले सूचियों की सरसरी समीक्षा का मसौदा और चुनाव के समय हर उम्मीदवार को पक्की सूची दी गयी थी, लेकिन आठ महीने तक किसी ने उस पर कोई आपत्ति दर्ज नहीं करायी थी और अब उसे मुद्दा बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में भी हलफानामा देने के लिए कोयी तैयार नहीं है।

श्री कुमार ने एक मतदाता द्वारा एक से अधिक स्थानों पर वोट देने, मतदाता सूचियों में पते में शून्य अंकित होने जैसे मुद्दों पर पूछे गये सवालों के जवाब में कहा कि सूची में नाम होने और न होने तथा वोट देने का मुद्दा अलग-अलग है, इन्हें एक साथ जोड़कर चुनाव आयोग के बारे में भ्रम फैलाया जा रहा है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने स्पष्ट किया कि एक व्यक्ति का चुनाव में दो जगह वोट देना अपराध है। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस तरह की बात कर मतदाताओं को बिना किसी साक्ष्य या शपथ-पत्र के अपराधी नहीं बताया जा रहा है? उन्होंने कहा कि सूची में त्रुटि संभव है पर ''मतदान की चोरी का आरोपसंविधान का अपमान है।

एक नजर

21 हजार यूक्रेनी बच्चों की किडनैप

कीव(ईएमएस)। यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस ने दावा किया है कि जंग शुरू होने के बाद से रूस ने अब तक 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया है। इन बच्चों को अलग-अलग ठिकानों पर रखकर उन्हें यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ने के लिए ब्रेनवॉश किया जा रहा है। वहीं, येल यूनिवर्सिटी के रिसर्च ग्रुप ने पब्लिक डेटाबेस और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ऐसे 8400 से ज्यादा बच्चों की पहचान की है, जिन्हें यूक्रेन से प्लानिंग के तहत रूस भेजा गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कुछ अरसा पहले कहा था कि हम कम से कम 11,000 बच्चों के नाम तो जानते हैं, जिन्हें जबरन रूस भेजा गया है। यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस ने ऐसी करीब 150 जगहों का पता लगाया है, जहां इन बच्चों को या तो कैम्पों में या उनके कथित दत्तक परिवारों के पास रखा गया है। कुछ बच्चों को मिलिट्री स्कूलों में भर्ती किया गया है। अब तक रूस ने सिर्फ 1200 यूक्रेनी बच्चों को ही वापस भेजा है।

होटल में गोलीबारी, 3 की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क में रविवार को कई बंदूकधारियों ने ब्रुकलिन के एक होटल में लोगों पर गोलीबारी कर दी, जिसमें 3 लोग मारे गए और 8 घायल हो गए। ब्रुकलिन पुलिस कमिश्नर के मुताबिक, आपसी विवाद के बाद इस घटना को अंजाम दिया गया। मरने वाले तीनों पुरुष हैं। घायलों को फौरन पास के अस्पतालों में एडमिट किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। घटनास्थल से 36 कारतूस और एक बंदूक बरामद हुई है। पुलिस सीसीटीवी की मदद से सबूत जुटा रही है।

इंडोनेशिया में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया

सुलावेसी। इंडोनेशिया के सुलावेसी में रविवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) ने बताया कि भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर था। किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को इंडोनेशिया के पूर्वी पापुआ क्षेत्र में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, इसका केंद्र पापुआ के अबेपुरा शहर से लगभग 193 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित था। यह द्वीपसमूह प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, यहां टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने से अक्सर भूकंपीय गतिविधियां होती रहती हैं।

हमास के बड़े कमांडर को मार गिराया

तेलअवीव(ईएमएस)। गाजा पर इजरायल का कब्जा अब लगभग तय माना जा रहा है। हमास के खिलाफ छेड़े गए जंग में इजरायली सेना लगातार आगे बढ़ रही है। इसी बीच दक्षिणी गाजा में हमास के बड़े कमांडर नासर मूसा को मार गिराने के बाद भी आईडीएफ ने अपने हमले जारी रखे हुए हैं। ताजा हमला उस स्कूल पर हुआ, जहां बेघर हुए परिवारों ने शरण ली थी। इस हमले में 37 लोग मारे गए, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

गाजा की गलियों में सिर्फ मलबा और तबाही नजर आ रही है। इजरायली लड़ाकू विमानों ने राफा ब्रिगेड के अहम आतंकी नासर मूसा को एयर स्ट्राइक में मार गिराया। मूसा हमास के आतंकियों को ट्रेनिंग देता था और इजरायल में हुए कई हमलों का मास्टरमाइंड भी था। इसके अलावा इजरायली सेना ने खान यूनिस में उस इमारत को भी निशाना बनाया गया, जिसे हमास रॉकेट स्टोर करने के लिए इस्तेमाल करता था। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सेना को गाजा पट्टी पर कब्जा करने की पूरी छूट दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस जंग को जल्द खत्म किया जाएगा और बंधकों को हर हाल में छुड़ाया जाएगा। हालांकि, दुनिया के कई देश इस एक्शन को गाजा के खात्मे का संकेत मान रहे हैं। वहीं, कई देशों ने इजरायल के खिलाफ कदम उठाते हुए फिलिस्तीन राज्य को मान्यता भी दे दी है।

इजराइली सेना ने यमन के बिजली संयंत्र को बनाया निशाना, इमारत से उठा धुंआ

सना। यमन के हुती नियंत्रित राजधानी सना के साउथ में स्थित एक बिजली संयंत्र पर इजराइली नौसेना ने हमला किया है, जिस कारण कई जनरेटर बंद हो गए। अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि इस इलाके में विस्फोट हुए हैं, जिस कारण बिजली संयंत्र को नुकसान पहुंचा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान समर्थित हुती ने इसके लिए आक्रमकता को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि अभी तक इस हमले पर इजराइली आईडीएफ की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है। बता दें यह दूसरा मौका है, जब इजराइली नौसेना ने यमन पर हमला किया है। इससे पहले जून में हुती नियंत्रित होदेदा बंदरगाह को निशाना बनाया गया था।

रिपोर्ट में आर्मी रेडियो के मुताबिक इजराइली नौसेना ने यमन के हाजिफ पावर स्टेशन को निशाना बनाया है। अब इस हमले की तुलना होदेदा बंदरगाह पर हुए हमले से की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सना में कम से कम दो विस्फोटों की आवाज सुनाई दी। विस्फोट के वीडियो में एक इमारत से धुएं के बाद और आग की लपटें दिखाई दे रही है। बता दें हुती पिछले कई महीनों से इजराइल पर हमले कर रहे हैं। इसके जवाब में इजराइल भी जवाबी कार्रवाई कर रहा है। दूसरी ओर यमनी समूह भी इजराइल की ओर मिसाइलें दाग रहा है।

बता दें अमेरिका और ब्रिटेन में पहले भी यमन में हुतियों के खिलाफ हमले किए थे। मई 2025 में अमेरिका ने हुतियों के साथ एक समझौता किया था। इस समझौते के मुताबिक शिपिंग हमले को रोकने के बदले में बमबारी अभियान रोकने पर सहमति हुई थी। वहीं हुतियों ने कहा था कि इस समझौते में इजराइल को शामिल नहीं किया गया था।

स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करें: मांडविया

नयी दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को फिट इंडिया संडे ऑन साइक्लिंग के 36वें संस्करण में सभी नागरिकों से सक्रिय जीवनशैली के लिए फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करने आह्वान किया।

डा. मांडविया ने आज गुजरात के पालीताणा स्थित अपने गृह ग्राम हनोल से फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल में भाग लेकर सभी नागरिकों से एक सक्रिय जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। संडे ऑन साइकिल के 36वें संस्करण में राष्ट्रीय कैडेट कोर के युवाओं की भी भागीदारी रही। डॉ. मांडविया ने गांव के पुरुषों और महिलाओं से फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करने और कार्बन क्रेडिट सुविधा का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं सभी से फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करने और यह देखने का आग्रह करता हूं कि साइकिल से काम पर जाने या गांव में घूमने से कितना कार्बन बच रहा है। इस ऐप को इस तरह से विकसित किया गया है कि यह आपको दूरी और लगने वाले समय से लेकर हृदय गति आदि तक, आपके स्वास्थ्य के बारे में सभी जानकारी देता है, जो आपके स्वास्थ्य पर नजर रखने के लिए फायदेमंद है। साइकिल चलाना मोटापे से लड़ने और प्रदूषण से निपटने का एक बेहतरीन साधन है। मैं सभी से हमारे फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अभियान का हिस्सा बनने का आग्रह करता हूं। एक स्वस्थ और प्रदूषण मुक्त भारत के निर्माण के अपने मिशन को जारी रखते हुए, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने आज राष्ट्रीय कैडेट कोर के साथ मिलकर देश भर में 5000 स्थानों पर 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल'का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 3000 नमो फिट इंडिया क्लबों ने भी भाग लिया। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में 1200 से अधिक उत्साही साइकिल चालकों ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम का चक्कर लगाया और डॉ. शिखा गुप्ता द्वारा आयोजित रस्सी कूदने की गतिविधि के अलावा जुम्बा, ध्यान और योग सत्रों का आनंद लिया। इसके अलावा, तलवारबाज नाजिया शेख और बेनी क्रेभा ने साइक्लिंग अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि यह टियर 1 और टियर 2/3 शहरों में मोटापे और वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में बहुत जरूरी जागरूकता फैला रहा है। इस अवसर पर तलवारबाज बेनी क्रेभा ने कहा, ÷इतनी बड़ी भीड़ के साथ साइकिल चलाने का यह मेरा पहला अनुभव है। मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल लोगों को मोटापे और प्रदूषण जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बारे में जागरूक करने की एक बेहतरीन पहल है। लोगों को एक ही जगह पर जुम्बा, योग, रस्सी कूदने से लेकर बैडमिंटन, नेट क्रिकेट आदि जैसी विभिन्न शारीरिक गतिविधियों का आनंद लेते देखना बहुत अच्छा लगा। सुबह की शुरुआत ऊर्जा से भरपूर रही और सभी के लिए यह संदेश स्पष्ट था कि हमें फिट और स्वस्थ रहने के लिए एक सक्रिय जीवनशैली अपनानी होगी। इस बीच, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) के 100 से अधिक राइडर्स ने पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स (पीएलडब्ल्यू) में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल्स में सक्रिय रूप से भाग लिया। उल्लेखनीय है कि इस साइक्लिंग पहल का अब तक 46 हजार से अधिक स्थानों पर आयोजन किया जा चुका है, जिसमें कुल मिलाकर आठ लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया है।

बिहार में वोट चोरी का सपना पूरा नहीं होने देंगे : राहुल

सासाराम। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में भी महाराष्ट्र तथा कर्नाटक की तरह वोट चोरी की साजिश हो रही है लेकिन अब वह जनता को जगाने के लिए सड़क पर आ गए हैं और इस षड्यंत्र को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

श्री गांधी ने बिहार के सासाराम में रविवार को वोटर अधिकार यात्रा शुरु करने से पहले आयोजित विशाल जन समारोह संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की चुनाव आयोग के साथ मिलकर बिहार में वोटों की चोरी करने की साजिश है और इसके लिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) का काम चुनाव आयोग के साथ मिलकर शुरू किया जा चुका है। उनका कहना था कि इस यात्रा से जनता को जागृत कर वह भाजपा के षड्यंत्र पर पानी फेरने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के साथ मिलकर संविधान को मिटाने की कोशिश की जा रही है इसीलिए जब भी चुनाव होते हैं तो भाजपा का षड्यंत्र शुरू हो जाता है। चुनाव अगर विपक्ष जीत रहा है तो इसे रोकने का षड्यंत्र शुरु हो जाता है। चुनाव के सारे अनुमान और चुनाव पूर्व सर्वेक्षण भाजपा के खिलाफ आते हैं लेकिन चुनाव परिणाम अचानक भाजपा की जीत का आता है। गांधी ने साजिश का उदाहरण देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में भाजपा को कम वोट मिले लेकिन छह माह बाद विधानसभा में एक करोड़ नये वोट जुड़ते हैं और सारे के सारे नए वोट भाजपा को मिल जाते हैं। इलेक्शन कमीशन से कहा कि वीडियोग्राफी दिखाओ तो उन्होंने मना कर दिया गया। कर्नाटक में हमने एक विधानसभा के वोट की तुलना की तो एक लाख से ज्यादा फर्जी वोट मिले हैं।

उन्होंने कहा ÷बिहार की जनता का वोट चोरी नहीं होने देंगे क्योंकि गरीबों के पास सिर्फ वोट है। वोट चोरी चुनाव आयोग करवा रहा है। पहले पता नहीं चलता था कि वोट चोरी हो रही है लेकिन मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका पर्दाफाश किया है। लोगों के वोट काटे जा रहे हैं और चुनाव जीतकर जनता का पैसा 5-6 उद्योगपतियों को दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने हमारे दबाव में जाति जनगणना की बात मानी लेकिन मुझे मालूम है कि वह जाति जनगणना नहीं करेंगे लेकिन हम 50 प्रतिशत की दीवार हटाएंगे और पूरे देश को दिखाएंगे कि हमने जो बोला है वह कर दिखाया है। उनको जाति जनगणना करने के लिए भी मजबूर करेंगे।

'विकसित दिल्ली' के विजन में योगदान देंगे द्वारका एक्सप्रेसवे और यूईआर-2: रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने द्वारका एक्सप्रेसवे के राष्ट्रीय राजधानी के हिस्से और अर्बन एक्सटेंशन रोड (यूईआर)-2 के निर्माण के लिए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया और कहा कि ये दोनों मार्ग विकसित दिल्ली के विजन में योगदान देंगे। श्रीमती गुप्ता ने श्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए रविवार को दिल्लीवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि आपके नेतृत्व में राष्ट्र-निर्माण की यह गाथा केवल विकास की परियोजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और अंत्योदय की संकल्पना को मूर्त रूप प्रदान कर रही है। दिल्ली का यह स्वागत उस अटल विश्वास का प्रतीक है कि आने वाला कल और अधिक सशक्त, समृद्ध और संस्कारित भारत का होगा। उन्होंने कहा, दिल्ली की मुख्यमंत्री होने के नाते आपके (श्री मोदी) नेतृत्व में पिछले पांच महीनों के प्रशासनिक अनुभव के आधार पर मैं कह सकती हूं कि आप देश के दूरदर्शी नेता हैं, जिनकी सोच में भारत का प्रत्येक नागरिक शामिल है। जिनकी नीतियां सुनिश्चित करती हैं कि भारत का प्रत्येक राज्य बराबर का भागीदार है। जिनके संकल्प से भारत का प्रत्येक नागरिक सुरक्षित महसूस करता है। आप वो ताकत हैं जिसने राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने कहा कि इस सड़क मार्ग का सबसे महत्वपूर्ण लाभ यह है कि इससे सिंघु बॉर्डर से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक यात्रा का समय कम हो जाएगा। पहले लगभग दो घंटे लगते थे, लेकिन अब यह दूरी तय करने में केवल 40 मिनट लगेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷इससे आंतरिक और बाहरी रिंग रोड पर दबाव काफी कम हो जाएगा, साथ ही मुकरबा चौक, मधुबन चौक, पीरागढ़ी चौक, धौला कुआं और राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-9 जैसे प्रमुख जंक्शनों पर अब भारी भीड़भाड़ नहीं रहेगी। इससे लाखों यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।÷

इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि द्वारका एक्सप्रेसवे और यूईआर-2 जैसी ऐतिहासिक परियोजनाओं का उद्घाटन करने से पहले प्रधानमंत्री ने उन श्रमयोगियों से भेंट की, जिन्होंने अपने श्रम और समर्पण से इस सपने को साकार किया। हर उपलब्धि के मूल में खड़े श्रमयोगियों को सबसे पहले नमन करना, यह दृष्टि बताती है कि विकास केवल इमारतों और सड़कों का नहीं, बल्कि परिश्रम, सेवा और तपस्या के सम्मान का भी नाम है। विकसित भारत का यही पथ है, जहाँ श्रम का सम्मान राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बनता है।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, सुरेन्द्र पाल सिंह (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com